मुख्य परीक्षा

प्रश्न- क्या आपके अनुसार मेट्रो रेल परियोजना में निजी क्षेत्र की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो सकती है? अपने मत के पक्ष में उत्तर दीजियें।

(200 शब्द)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में केंद्र सरकार द्वारा नई मेट्रो रेल नीति के बारे में चर्चा करें।
- अगले पैरा में मेट्रो रेल परियोजना में निजी क्षेत्र की भूमिका के पक्ष में उत्तर दें।
- दूसरे पैरा में मेट्रो रेल परियोजना में निजी क्षेत्र की भूमिका के विपक्ष में उत्तर दें।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

उत्तर- केंद्र सरकार द्वारा 'नई मेट्रो रेल नीति' के अन्तर्गत राज्यों को मेट्रो परियोजना में सहयोग देने के अन्तर्गत राज्यों को मेट्रो परियोजना में सहयोग देने के लिए प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर कार्य करने का अनिवार्यता को मंजूरी दी है।

मेट्रो रेल परियोजना में निजी क्षेत्र की भूमिका के पक्ष में-

- निजी क्षेत्र की भागीदारी से लागते कम होगी। इससे सरकार के आर्थिक संसाधनों की बचत भी होगी।
- निजी क्षेत्र की भागीदारी होने से सरकार द्वारा बसाए गए संसाधनों का प्रयोग उन क्षेत्रों के विकास में कर सकती है, जिन क्षेत्रों में निजी क्षेत्र आधारभूत सरंचना का विकास करने से कतराते हैं।
- निजी क्षेत्र की भूमिका को जवाबदेहिता में वृद्धि होती है, जिससे कोई नुकसान नहीं होता है।

मेट्रो रेल परियोजना में निजी क्षेत्र की भूमिका के विपक्ष में-

- श्रीधरन के अनुसार निजी क्षेत्र किसी भी परियोजना में 12% से 15% का प्रतिफल चाहता है, जबकि मेट्रो परियोजनायें अच्छी स्थिति में 2-3% से ज्यादा प्रतिफल नहीं देती है।
- विश्व में चलाए जा रहे मेट्रों परियोजनाओं का एक बड़ा हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र (88%) के अधीन है।
- निजी क्षेत्र का कल्याण के प्रति कम, जबकि लाभ के प्रति अधिक झुकाव होता है।
- कंपनियाँ वास्तविक प्रतिफल प्राप्त न होने पर काम को बीच में छोड़कर चली जाती है। जिससे कार्यों में काफी विलम्ब होता है। इस संदर्भ में दिल्ली में रिलायंस समूह द्वारा निर्मित किये जा रहे मेट्रो को देखा जा सकता है।